Incidence of Chlorine leakage at Govindpura Industrial Area on 05th and 06th March 2014 during scrap cutting

Location of the Leak site

Plot No. 7/7, H sector, Govindpura Industrial Area

M/s Laxmi Sales Agencies, Plot No. 7/7, Sector 'H', Govindpura, Bhopal

The unit is involved in the business of Scrap and is registered as Fabrication and profile cutting industry. a chlorine cylinder was received in scrap material through an auction by the Metal Scrap Trading Corporation.

Leak started in the evening : Regional Office staff sent to site

Gas leak was reported . Gas having a pungent odour that caused Lacrymation of eyes and severe Coughing: suspected Chlorine

Water curtain to reduce Gas concentration in the vicinity of leaking cylinder

Photograph taken by a Photojournalist of a local News paper on the Night of 5th March'2014

CISF personell approching the site after the water curtain was established and reporting the size of the hole in the Cylinder

Photographs taken by a photojournalist of a local News paper on the Night of 5th march'2014

Reporting in Local News Paper on 6th March 2014

फैक्ट्री में क्लोरीन गैस रिसाव से मचा हड़कंप, एडीएम ने दिए जांच के आदेश

आंखों में जलन, घुटने लगा दम

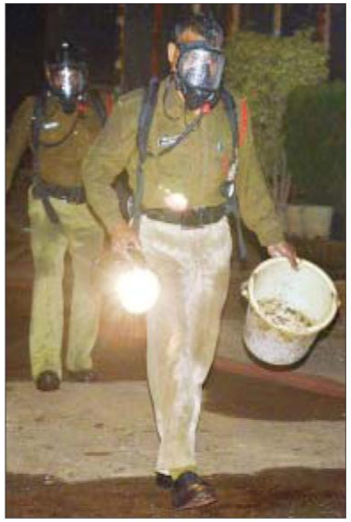

बुधवार को गोविंदपुरा क्षेत्र के न्यू एच. सेक्टर में लक्ष्मी स्टील फैक्ट्री से निकली क्लोरीन गैस के रिसाव से दहशत का माहौल बन गया। गैस रिसाव रोकने के लिए भेल के आपदा प्रबंधन दल को बुलाया गया। फोटो : शमीम खान

भोपाल (आरएनएन)। साहब हम तो अच्छे खासे में घर में थे अचानक शाम को चार बजे आंखों में जलन होने लगी। दिमाग चकराने लगा और थोड़ी देर बाद ही खासी के साथ उल्टियां होने लगी। हमें कुछ समझ में नहीं आ रहा था। थोड़ी देर बाद देखा तो आसपास के कुछ और लोगों को भी ऐसी ही शिकायत होने लगी। कुछ लोग तो घर छोड़कर भागने लगे। हमारी कुछ समझने नहीं आ रहा था कि आखिर हुआ क्या है। जब घर से बाहर निकले तो लोगों ने बताया कि मुंह पर कपड़ा बांध लो, फैक्ट्री से जहरीली गैस रिस रही है। गैस रिसने की घटना सुनते ही हम सब घबरा गए। इस घटना की जांच के आदेश एडीएम ने दे दिए हैं।

यह कहना है औद्योगिक क्षेत्र न्यू एच सेक्टर के पास रहने वाले लोगों का। जो लक्ष्मी स्टील फैक्ट्री से निकली गैस से बुधवार शाम प्रभावित हुए। यहां देर रात गैस रिसने के कारण दहशत बनी रही। हैरानी की बात तो यह है कि गैस रिसने की इस घटना के बाद बीएचईएल का फायर अमला तो पहुंच गया, लेकिन पुलिस और प्रशासन के अधिकारी चार घंटे बाद पहुंचे। पहले तो थाने की पुलिस गैस रिसने की घटना से ही इनकार करती रही। जब मीडिया के कई बार फोन पहुंचे तो पुलिस ने मामले की सुध ली।

जानकारी के मुताबिक न्यू एच सेक्टर में लक्ष्मी स्टील के नाम से एक स्क्रेप की फैक्ट्री है। फैक्ट्री में जॉब को काट कर अलग-अलग हिस्सों में किया जाता है। जॉब को काटने के लिए क्लोरीन गैस का इस्तेमाल करने के साथ सेंड ब्लास्टिंग भी की जाती है।

गैस रिसने के कारण मुंह पर कपड़ा बांधे खड़े आस-पास के रहवासी।

नियम विरुद्ध पर्यावरण प्रदूषण बोर्ड की उदासीनता से चल रही इस फैक्ट्री में जब शाम को गैस रिसी तो अफरा-तफरी मचने के साथ हड़कंप मच गया। गैस के प्रभाव से बचने के लिए फैक्ट्री में काम करने वाले कर्मचारियों में भगदड़ मच गई। बचने के लिए वह काम छोड़कर बाहर आ गए। गैस रिसने से आसपास के इलाकों में रहने वाले घरों से निकल पड़े। जब तक लोगों को इस बात पता लगता कि गैस रिस रही है तब जब बहुत देर हो चुकी थी। क्लोरीन गैस की चपेट आने से करीब दो दर्जन लोगों को उल्टी, आंखों में जलन और सांस में तकलीफ होने के साथ दम घुटने लगा। गैस रिसाव की सूचना जब प्रशासन को लगी तो वह आनन-फानन में मौके पर पहुंचा।

रिसी थी क्लोरिन गैस

बताया जाता है कि फैक्ट्री में कबाड़े को काटने के लिए क्लोरिन गैस का इस्तेमाल किया जाता है। शाम जब किसी जॉब को काटने के लिए गैस का इस्तेमाल किया जा रहा था जब अचानक गैस रिसने लगी। गैस को रिसने से रोकने के लिए लकड़ी की गिल्ली लगाई गई, लेकिन गैस रिसना बंद नहीं हुई। गैस रिसने से आसपास रहने वाले लोगों को जब इसका प्रभाव शरीर पर दिखाई देने लगा तो लोगों में दहशत फैल गई।

क्या प्रभाव पड़ता है क्लोरीन गैस से

क्लोरीन गैस से आंख, नाक, गले और फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है। इससे सांस लेने में तकलीफ होती है। गैस का प्रभाव यदि श्वास नली के माध्यम से अधिक मात्रा में पहुंचे तो पूरे शरीर को प्रभावित कर सकता है। यह क्लोरीन गैस इतनी खतरनाक होती है कि इससे जान भी जा सकती है। यह श्वास नली को जाम कर देती है।

चार घंटे बाद चेता प्रशासन

जहां गैस रिसने से औद्योगिक क्षेत्र में दहशत फैली हुई थी, वहीं इस मामले की जानकारी प्रशासन को चार घंटे बाद लगी। गैस रिसने की जानकारी मिलने के बाद काफी देर बाद पर्यावरण प्रदूषण बोर्ड के अधिकारी मौके पर पहुंचे। इसके बाद हड़बड़ी में पुलिस प्रशासन और फायर बिग्रेड का अमला मौके पर पहुंचा।

घुटने लगा दम

शाम चार बजे के करीब मेरा अचानक दम घुटने लगा। आंखों में जलन के साथ उल्टियां होने लगी। मुझे कुछ समझ में नही आ रहा था कि आखिर हुआ क्या है। जब मेरे साथ और लोगों को भी इसी तरह की शिकायत हुई तो पता लगाने पर ज्ञात हुआ कि फैक्ट्री से गैस रिस रही है।

रूक्मणी, गैस पीड़ित

अचानक आंखों से निकलने लगे आंसू

शाम को जब मैं काम से घर वापस आई तो अचानक घर पहुंचते ही बदबू आने के साथ मेरी आंखों में जलन होने लगी और आंसू निकलने लगे। मैं घबराकर घर से बाहर भागी। बाहर आकर देखो तो फैक्ट्री के समाने भारी भीड़ थी। लोगों ने बताया कि लक्ष्मी स्टील से गैस रिस रही है। गैस के कारण ही उल्टी के साथ आंखों में जलन हो रही है।

रजनी, गैस पीड़ित

उल्टियों के साथ हुई बेचैनी

मैं पास की ही फैक्ट्री में काम करता हूं। चार बजे जब मैं काम कर रहा था तब अचानक मुझे उल्टियां होने के साथ बेचैनी होने लगी। जब गैस रिसने की जानकारी मुझे लगी तो मैंने मुंह पर कपड़ा बांधकर काम करना बंद कर दिया।

कृपाल विश्वकर्मा, गैस पीड़ित

शाम को मेरा भाई जब कोचिंग जा रहा था, तभी उसे अजीब तरह की बदबू आने के साथ चक्कर आने लगे। जब उसे पता चला कि फैक्ट्री में गैस रिसने के कारण लोगों को आंखो में जलन, उल्टियां और चक्कर आ रहे तो वह कोचिंग जाने की बजाए डर कर घर आ गया।

राहुल, गैस पीड़ित

फैक्ट्री में गैस रिसाव से फैली दहशत

क्लोरीन गैस से आंखों में जलन के साथ निकले आंसू

भोपाल(आरएनएन)। औद्योगिक क्षेत्र में बुधवार शाम उस वक्त सनसनी और दहशत फैल गई, जब यहां एक फैक्ट्री से एक जहरीली गैस रिसाव से लोगों की आंखों में जलन, खांसी और आंसू निकलना शुरू हो गए। आसपास के इलाके में गैस का ऐसा प्रभाव ऐसा कि जानवरों के मुंह से झाग निकलने लगा। देखते ही देखते पूरे इलाके में दहशत फैल गई। करीब दो दर्जन लोग गैस से प्रभावित हो गए। आसपास के लोग जहरीली गैस से बचने के लिए अपने-अपने घरों में दुबक गए। वहीं जब वहां गुजर लोगों को गैस रिसाव का पता लगा तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस के साथ ही यहां पर फायर अमले के साथ पर्यावरण प्रदूषण बोर्ड के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। रिसी गैस क्लोरीन बताई जा रही है। एडीएम पीएम जामौद ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। उनका कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद फैक्ट्री मालिक पर कार्रवाई की जाएगी।

लोगों को होने लगी उल्टियां

शाम करीब चार बजे औद्योगिक क्षेत्र के सेक्टर न्यूएच स्थित लक्ष्मी स्टील फैक्ट्री से गैस की बदबू के साथ लोगों के आंखों में जलन के साथ आंसू और गले में खराश होने के साथ ही उल्टी होने की शिकायत हुई। आसपास की फैक्ट्री के कर्मचारियों को भी तकलीफ होने लगी। इस मामले में फैक्ट्री मालिक का कहना है कि ऐसा कुछ नहीं है। गैस रिसाव की लोगों ने अफवाह फैलाई है।

The photograph from inside the shed, The Chlorine cylinder that was pegged on Night of 5th March'2014 with the help of CISF men can be seen with ice formation on the out side

A pit was dug near leaking cylinder on 6th March to attempt Neutralization of Chlorine gas
The cylinder that was pegged on earlier night. the ice formation on cylinder may be seen

A Hydraulic crain arrived to lift the cylinder and to lower it in the Nutralization pit
Nagar Nigam person with SCBA reaching towards Cylinder to put it in the Chain sling

The Cylinder being lifted & lowered in to the temporary Pit

Nutralization is initiated and the yellow Chlorine Gas can be seen in the pit when pH is lowered

All Photographs taken at site on 09.03.2014

Markings on the cylinder

Incidence site was completely cleaned-up and restored by the occupier [09th March]

Lapses that hampered the field operation :

Apparently there were a few lapses in the entire operation but in the given emergent situation there was hardly any time to inform the chlorine network and to seek any Professional help.

Lack of basic chlorine monitoring instruments in the regional office Laboratory. Deficiency in required personal protective equipments.

The Regional Officer also informed to the district administration but no action was initiated from that end. BMC sent one person with SCBA with only 5 minuets air in Cylinder. The Govindpura fire brigade does not have any equipment or training for such issues.

The presence of police force would have helped to keep the by-standers at bay, who at number of occasion created panic and hampered the action.

The Activity was supported by

BHEL safety Officials
CISF Officers & Men (BHEL unit)
Bhopal Municipal Corporation
Local Industrial Association
Medical Helpline - 108

ERC & Regional Office, MPPCB
are grateful for their selfless support

Further suggestion are invited

Thank You